ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पद (रैदास)

कक्षा - नवी

विषय – हिंदी
पाठ : १
पाठ का नाम : पद (रैदास)
PPT- 04

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

प्रश्न अभ्यास

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1 - पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर - पहले पद में भगवान् की तुलना चंदन से और भक्त की तुलना पानी से, भगवान् की तुलना बादल से और भक्त की तुलना मोर से, भगवान् की तुलना चाँद से और भक्त की तुलना चकोर से, भगवान् की तुलना मोती से और भक्त की तुलना धागा से, भगवान् की तुलना दीपक से और भक्त की तुलना बाती से और भगवान् की तुलना सोने से और भक्त की तुलना सुहागे से की गई है।

प्रश्न 2 - पहले पद की प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाद-सौंदर्य आ गया है, जैसे: पानी, समानी, आदि। इस पद में अन्य तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए।

उत्तर - इस पद में अन्य तुकांत शब्द मोरा-चकोरा, बाती-राती, धागा-सुहागा, दासा-रैदासा हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 3 - पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध हैं। ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए:
उदाहरण: दीपक – बाती

उत्तर - पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध हैं जैसे - चंदन-पानी, घन-बनमोरा, चंद-चकोरा, सोनहि-सुहागा।

प्रश्न 4 - दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - दूसरे पद में भगवान को 'गरीब निवाजु' कहा गया है क्योंकि भगवान गरीबों और दीन-दुःखियों पर दया करने वाले हैं।

प्रश्न 5 - दूसरे पद की 'जाकी छोती जगत कउ लागै ता परतुहीं ढ़रै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - भगवान के छूने से अछूत मनुष्यों का भी कल्याण हो जाता है क्योंकि भगवान अपने प्रताप से किसी नीच जाति के मनुष्य को भी ऊँचा बना सकते हैं अर्थात भगवान् मनुष्यों के द्वारा किए गए कर्मों को देखते हैं न कि किसी मनुष्य की जाति को। अछूत से अभी भी बहुत से लोग बच कर चलते हैं और अपना धर्म भ्रष्ट हो जाने से डरते हैं। अछूत की स्थिति समाज में दयनीय है। ऐसे लोगों का उद्धार भगवान ही करते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 6 - रैदास ने अपने स्वामी को किन किन नामों से पुकारा है?

उत्तर - रैदास ने अपने स्वामी को गुसईआ (गोसाई) और गरीब निवाजु (गरीबों का उद्धार करने वाला) पुकारा है।

प्रश्न 7 - निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए - मोरा, चंद, बाती, जोति, बरै, राती, छत्रु, छोति, तुहीं, गुसईआ।

उत्तर -

मोरा - मोर
चंद - चाँद
बाती - बत्ती
जोति - ज्योति
बरै - जलना
राती - रात
छत्रु - छाता
छोति - छूने
तुहीं - तुम्हीं
गुसईआ - गोसाई

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow